Netaji ka Chashma Previous Year Questions (with model answers)

प्रश्न 1 – हम कैसे कह सकते हैं कि पानवाला कैप्टन का मित्र था? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए। [CBSE 2024]

उत्तर – हम यह कह सकते हैं कि पानवाला कैप्टन का मित्र था क्योंकि उसने ही हालदार साहब को कैप्टन की देशभक्ति और नेता जी की मूर्ति के प्रति उसके व्यवहार के बारे में बताया। पानवाले ने भले ही मज़ाकिया अंदाज में बताया था कि कैप्टन चश्मेवाला नेताजी की मूर्ति पर चश्मा बदलता था परन्तु जब कैप्टन की मृत्यु हो गई, तो पानवाले ने उदासी के साथ यह खबर हालदार साहब को दी थी। इस प्रकार हम पानवाले की बातें और व्यवहार से कह सकते है कि वह कैप्टन के प्रति स्नेह और सम्मान रखता था और उसका मित्र था।

प्रश्न 2 – वैसे तो पान वाला कैप्टन का मज़ाक बनाता था परंतु हालदार साहब को उसकी मृत्यु की बात बताते हुए वह उदास क्यों हो गया? [CBSE 2024]

उत्तर – पानवाला हमेशा ही कैप्टन चश्मेवाले का मज़ाक उड़ाया करता था, जिससे ऐसा लगता था, कि जैसे उसके अंदर न तो देशभक्ति का भाव नहीं है और न ही किसी व्यक्ति के प्रति हमदर्दी। पर जब कैप्टन मर जाता है तब उसके देशप्रेम की झलक मिलती है। वह कैप्टन जैसे देशभक्त व्यक्ति की मृत्यु से दुखी होकर हालदार को जब उसकी मृत्यु की सूचना देता है तो उसकी आँखें भर आती हैं।

प्रश्न 3 – कैप्टन नेताजी की मूर्ति पर लगा चश्मा अकसर क्यों बदल देता था? उसकी इस हरकत से आपके मन में उसके प्रति कौन-से भाव आते हैं? [CBSE 2023]

उत्तर – कैप्टन नेताजी की मूर्ति पर लगा चश्मा अकसर बदल देता था क्योंकि उसके पास जब कोई ग्राहक मूर्ति पर लगे फ्रेम जैसा फ्रेम माँगने आता था तो वह उसे मूर्तिवाला फ्रेम देकर उसकी जगह दूसरा फ्रेम लगा देता है। इसके पीछे कैप्टन चश्मेवाले की मजबूरी यह थी कि उसके पास सीमित मात्रा में फ्रेम थे और नेताजी की मूर्ति को वह बिना चश्मे के नहीं रहने देना चाहता था। यह उसकी शहीदों के प्रति सम्मान का भाव दर्शाता है।

प्रश्न 4 – 'नेताजी का चश्मा' पाठ में चश्मे के बहाने से देशभक्ति की भावना पर किस प्रकार बल दिया गया है? स्पष्ट कीजिए। [CBSE 2023]

उत्तर – 'नेताजी का चश्मा' पाठ में चश्मे के बहाने से देशभक्ति की भावना पर बल दिया गया है क्योंकि चश्मे के बहाने ही पाठ में शहीदों का सम्मान करने की प्रेरणा मिलती है। साथ ही सीख भी मिलती है कि केवल बड़े-बड़े कारनामे करने से आप देशभक्त नहीं कहलाए जाते । अगर आप अपने देश और उससे जुड़े सभी भावों का सम्मान करते हैं तब भी आप देशभक्त कहलाए जा सकते हैं।

प्रश्न 5 – "इतनी-सी बात पर उनकी आँखें भर आईं" – ऐसा विशेष क्या था जिससे हालदार साहब की आँखें नम हो उठी ? [CBSE 2020]

उत्तर – हालदार साहब सोच रहे थे कि कैप्टन के न रहने से नेताजी की मूर्ति चश्माविहीन होगी परंतु जब यह देखा कि मूर्ति की आँखों पर सरकंडे का चश्मा लगा हुआ है तो उनकी निराशा आशा में बदल गई। उन्होंने समझ लिया कि युवा पीढ़ी में देशप्रेम और देशभक्ति की भावना है जो देश के लिए शुभ संकेत है। यह बात सोचकर वे भावुक हो गए।

प्रश्न 6 – सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टेन क्यों कहते थे ? [CBSE 2019]

उत्तर – सेनानी न होते हुए भी लोग चश्मेवाले को कैप्टन इसलिए कहते थे , क्योंकि कैप्टन चश्मे वाले में नेताजी के प्रति अगाध लगाव एवं श्रद्धा भाव था। वह शहीदों एवं देशभक्तों के अलावा अपने देश से उसी तरह लगाव रखता था जैसा कि फ़ौजी व्यक्ति रखते हैं। उसमें देश प्रेम एवं देशभक्ति का भाव कूट-कूटकर भरा था। वह नेताजी की मूर्ति को बिना चश्मे के देखकर दुखी होता था। और कभी भी नेता जी की मूर्ति को बिना चश्मे के नहीं रहने देता था।

For the complete set of previous year questions of Netaji ka Chashma, Click Here

Netaji ka Chashma Summary, Word meanings, Click Here

Netaji ka Chashma Important Questions, Click Here

Kshitij Bhag 2 Book Word meanings of all lessons, Click Here

Netaji ka Chashma Character Sketches, Click Here